REFERENCE TO THE UNJUSTIFID INCREASE IN THE PRICES OF TYRES AND TUBES

SHRI B, SATYANARAYAN REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Chairman, Sir, I would like to bring to the notice of t'ne Government an important issue. The tyre and tube manufacturers have increased tha prices at the cost of consumers and thus they have put the consumers in hardship. Si', the Government had withdrawn price and distribution control on tyres and tubes. But the tyre manufacturers, acting in unison, havs used the same as a licence to fleece the unwary consumers in 'a number of ways besides increasing the price substantially and frequently. Sir, consequently, on protests from the consumers, the Ministry of Industry through their letter dated Sth May, 1984 requested t'ne Bureau of Industrial Costs and Prices to undertake a study of the cost structure of tyres with a view to see whether and to what extent price revisions resorted to by the manufacturers during November, 1983. to January, J 984 were justified jn terms of increase in cost of production, and if not, the manufacturers would be asked to roll-back the Prices to the pre-revision levels Sir, the Ministry of Industry also set up a Committee on Automobile Tyres and Tubes *vide* their Memo, dated 19th May, 1984. Sir, tris Committee under the chairmanship of Shri M. Satyapa] was set up in response to numerous representations on availability, quality, price and distribution of automobile tyres and tubes Sir, the Reports of these two bodies, the BICP and the Satyapal Committee, are the bands of the Government. Sir, the BICP has disapproved the tyre price increases introduced in November, 1983, January 1984 and March 1985. The Satyapal Committee has said in its report on prices that "undoubtedly the substantial increase in prices over the last four years has been of sn order out of 1'ne with general price increase in wholesale price indices or the ability of transportation industry largely owned by truck operators to withstand the significantly high cost of tyres "On specification, etc., Sir, the Commitle has said, "to protect consumer interests the tyre should have permanent markings capable of clearly identifying essential information such as date of manufacture, maximum permissible load, life of tyre and its safe usage period." But, Sir, neither any action could be taken against the tyre companies on the Price front, in the light of the BICP's disapproval of the Price increases of 1983, 1984 and 1985 nor any of Ae Satyapal Committee recommendations have been implemented. These two Reports are pending before the Government. And instead of implementing fhe recommendations of these two bodies, the manufacturers have again increased the prices in 1986. So. Sir, I request the Central Government (0 protect the consumers from the tyranny of the tyre manufacturers. And also, Sir, in this connection, the Pub. lie Accounts Committee said in its report, I quote; "The Committee have expressed their concern that Government finditself their concern that Government finds itself helpless in the face 0I manufacturers' determination to keep prices of tyres at levels acceptable to them."

In view of the recommendations of these expert bodies, Sir, I would like the Government to take immediate steps to control the Prices of tyres and tubes.

REFERENCE TO THE BOMB SCARE IN HOTEL CHURCHILL, LONDON

डा. रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति जी, आज के समाचार-पत्र में एक बहुत ही चिन्तनीय खबर छपी है—राजीव के होटल में बम का आतंक । यह लन्दन की 4 अगस्त की खबर है..... (व्यवधान) । वह क्या था, यह मैं आपसे नहीं पूछ रहा हूं । मैं चेयरमैन को एड्रेस कर रहा हूं । इस समाचार में लिखा है कि लंका के चर्चिल होटल में कल रात बम रखे जाने के डर से तनाव का माहौल पैदा हो गया । इस कारण प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी को कुछ समय लंदन स्थित भारतीय उच्चायुक्त श्री पी. सी. एलेक्जेन्डर के निवास में ठहरना पड़ा । बम के आतंक से जांबिया के राष्ट्रपति श्री कैनेथ कौंडा व बहामा के प्रधान मंत्री सर

लिंडन पिंडलिंग को रात में शहर में गाड़ी में उस समय तक घूमना पड़ा जब तक कि 15 मिनट बाद सब कुछ ठीक होने का संकेत वहीं मिल गया । इन तीनों नेताओं के रानी एलिजाबेथ द्वारा बकिंघम महल में दिये गये भोज में शामिल होने के बाद होटल में पहुंचने के कुछ मिनट पहले ही होटल की लाबी में अधिकारियों ने 2 अज्ञात थैले पड़े पाए । तुरंत चारों ओर खतरे का संकेत भेजा गया तथा राष्ट्रमंडल नेताओं को लेकर आ रही गाड़ियों को संकेत भेजे गए कि वे होटल न आएं ।

प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी तुरन्त भारतीय उच्चायुक्त के निवास की ओर रवाना हो गए तथा उच्चायुक्त द्वारा भारतीय दल के सम्मान में दिए जा रहे भोज में शामिल हो गए ।

श्री गांधी उच्चायुक्त निवास पर लगभग 15 मिनट तक रहे । पुलिस अधिकारियों द्वारा खतरा टलने का संकेत दिए जाने के बाद वे 10.45 बजे होटल पहुंचे । इस बीच श्री कौंडा व श्री पिंडलिंग अपनी अपनी गाड़ियों में. . . .

MR. CHAIRMAN: Everybody has read that

SHRI PUTTAPAGA RADHAKRISHNA (Andhia Pradesh): Sir, I am on a point of order *(Interruptions).*

DR, RATNAKAR PANDEY: Earlier there were reports that a three member group of some Sikh terrorists had entered the country by the port of.. .*(Interruption).*

MR. CHAIRMAN: Pandeyji, please hear me. The idea of making a special mention is to make a suggestion to the Government

DR. RATNAKAR PANDEY: Yes, Sir, I am coming to that. It was said that one was captured and fhree were still at large. The intelligence reports stated that the terronsts might make an 'attempt on the life of the Indian Prime Minister

माननीय सभापति जी, बहुत दिन नहीं हुए जब हम अपने यहां से अपनी अधिक विश्वसनीयता के कारण राष्ट्र की सारी मानवता, दबे हुए पिछड़े हुए, डाउन्ट्रोडन पीपुल्स की नेता श्रीमती इंदिरा गांधी को खो चुके हैं । आज राजीव गांधी केवल हमारे राष्ट्र के ही नायक नहीं हैं बल्कि सारी दुनिया के, जो पिछड़े हुए, दबे हुए और जो आज के अटामिक युग में. . (व्यवधान). . सारी मानवता के. . . (व्यवधान). . . चिंतन में लगे हुए हैं. . . (व्यवधान). . . .

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : 11 आदमियों की लाश आप यह देख रहे हैं. . . (व्यवधान). . .

इसकी कोई चर्चा नहीं होगी और एक व्यक्ति पर. . . (व्यवधान). . चर्चा यहां हो रही है ।

. . (व्यवधान). .

I do not subscribe to this resolution. *(Interruptions).*

MR CHAIRMAN: Now,.why are you so impatient. I have already told Kusha-wahaji that 'I am going to i ilow him. He was not here. He came 'ais- All the notices that I have received are here I was going to give him a chance,

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (Madhya Pradsh): But the Member should be relevant,

MR. CHAIRMAN: He is trying to.

डा रत्नाकर पाण्डेय : मैं कह रहा था कि सारी दुनिया के दबे हुए मानवों के नेता राजीव गांधी राष्ट्रसंघ में सारी मानवता के चिन्तन के लिये. . .

. (व्यवधान)

It is not a question of individual or party question *(Interruptions).*

MR. CHAIRMAN: Way don't you allow me to handle the situation? Just hear me. You please make a suggestion what the Government should do. We allow special mentions t° draw attention *k>* a fact and what should be done by the Government in your opinion. That is the purpose of special mentions. Come to your suggestions.

SHRI DARBARA SINGH (Punjab): Sir, it is not the question of a single person. It concerns aU the Indians, It is a question of the Prime Minister of India and not of this party alone. He belongs to you also. You must also hear. *(Interruptions).*

SHRI NIRMAL CHATTERJEE (West Bengal); Sir, he is the Prime Minister of India and represents a minority of voters. *(Interruptions').*

MR. CHAIRMAN: Mr. Pandey, you must conclude now.

DR. RATNAKAR PANDEY: Sir, allow me two minutes more *(Interruptions).*

MR. CHAIRMAN; You may have a different opinion. But it is his opinion. You should not prevent him from expressing his opinion.

श्री रत्नाकर पाण्डेय : और आज टेररिस्ट जो आते हैं, उनके प्रतिनिधि वहां पहुंचे हैं **(व्यवधान)** उसकी सारी जानकारी सरकार इस सदन को दे और ऐसी व्यवस्था करे कि भविष्य में जो हमारी सुरक्षा व्यवस्था है उसमें और भी सुधार किया जाए, उसकी ओर संवेदनशील बनाया जाए और इस तरह की घटनाएं न हों ।

REFERENCE TO THE ALLEGED •SHOOTING DOWN OF ELEVEN PERSONS BY THE POLICE PERSONNEL EV BASTI AU.P.Q

श्री राम नरेश कुशवाहा (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति जी, आपके माध्यम से मैं इस सदन का ध्यान बस्ती जिले के 11 लोगों को पकड़ कर वहां की पुलिस ने मार डाला है उसकी तरफ आकर्षित करना चाहता हूं । **(व्यवधान)** मान्यवर, ठीक है, सारी मानवता के नेता हमारे प्रधानमंत्री जी हैं लेकिन लगता है कि हिन्दुस्तान में दबे, पिछड़े और गरीब लोग जो हैं उनके नेता हैं या नहीं, यह हमारे माननीय मित्र बताने की कृपा करें । 11 आदमी मार डाले गये उनका क्या कसूर था ? इस में दो तरह का बयान है । डी. आई. जी. गोरखपुर कहते हैं कि वे लोग सामूहिक हत्या करने के लिए उस गांव में आए । जिला अधिकारी और पुलिस कप्तान कहते हैं कि वे डकैती डालने आए थे । वास्तविकता यह है कि न वे डकैती डालने आए थे, न सामूहिक हत्या करने आए थे । वे गरीब लोग थे जिनका वहां के कुछ बड़े लोगों से आपसी तनाव जरूर था लेकिन ऐसी कोई दुश्मनी नहीं थी जिस में जान से मारने की बात हो । दूध नाथ पाण्डेय और त्रियुगी यादव इन दोनों में एक सम्राट अशोक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है उसके मामले में झंझट चल रहा है लेकिन इन सारे लोगों को उससे जोड़ने की कोशिश की जा रही है । उस झगड़े में यह लोग भी भागीदार थे और लोगों को मारने के लिए आए थे लेकिन वास्तविकता उसके बिलकुल विपरीत है । इन लोगों को जगह जगह से पकड़ा गया ट्रैक्टर पर शराब पिला कर बैठाया गया और ले कर चले और जब वे ले कर चले हैं तो रास्ते में एक खजूरी गांव है। खजूरी गांव के लोगों ने इनको रोका और रोकने के बाद सारा गांव जुट गया इन के खिलाफ । तब थानेदार जो उनके साथ था जो जीप में पहले आगे आया था वह मस्जिद में गया और वहां से लाउड स्पीकर से एलान किया कि हम लोग उन लोगों को ले जा रहे हैं तब गांव वालों ने उनको छोड़ा । फिर रास्ते में नाला पड़ा जीप नहीं जा सकती थी, ट्रैक्टर नहीं जा सकता था, तीन ट्रिप कर के लोगों को ले जाया गया और ले जा कर के त्रियुगी यादव की धारी पर रखा गया और उस धारी पर एक एक कर के उनको गोली मार दी गई । गांव के लोग देखते हैं, डर के मारे बोलते नहीं हैं । अगर इनका कहना है कि त्रियुगी यादव ने डकैती डालने के लिए या नर-संहार करने के लिए बुलाया था, तो . .

[उपसभापति महोदय पीठासीन हुए]

मान्यवर, त्रियुगी यादव को इन लोगों ने क्यों नहीं पकड़ा, उसको क्यों छोड़ दिया गया । त्रियुगी यादव के यहां ले जा कर के इन लोगों को पकड़ पकड़ कर मारा । उस में हरिजन, पिछड़े वर्ग और बंजारा लोग थे जो कि भीख मांगते हैं, कहीं सियार मारते हैं, कहीं कुछ मारते हैं और अपना भोजन चलाते